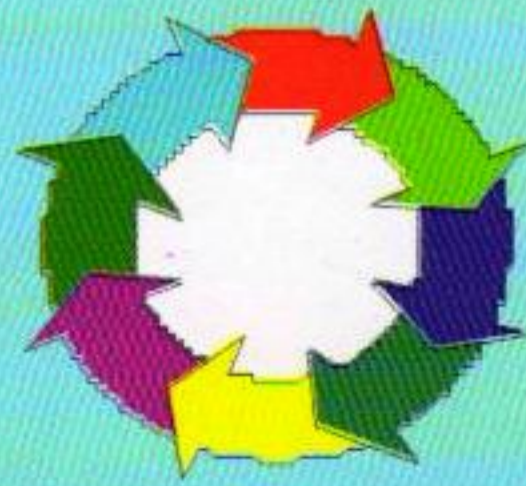


Annual Progress Report

2012-2013



संवाद सामाजिक संस्थान

कैनविज टाइम्स अमर उजाला

बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड बनाकर बाल अधिकार पर जताई चिंता

संवाद समितिक संस्था की ओर से बाल सम्मेलन का आयोजन

कैनविज टाइम्स

सम्मेलन: संवाद समितिक संस्था की ओर से संवत्सरिक के तहसील जगत विकास समितिक संस्था में बाल सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बाल अधिकारों को जताना तथा बच्चों के अधिकारों को जताना था। इस अवसर पर बच्चों ने नये बाल अधिकारों पर ग्रीटिंग कार्ड बनाए और बाल अधिकारों को जताने का वाक्य प्रयोगों में हिस्सा लिया।



बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड और बाल अधिकारों के वाक्य प्रयोगों में हिस्सा लिया। बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड और बाल अधिकारों के वाक्य प्रयोगों में हिस्सा लिया।

बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड और बाल अधिकारों के वाक्य प्रयोगों में हिस्सा लिया। बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड और बाल अधिकारों के वाक्य प्रयोगों में हिस्सा लिया।

बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड और बाल अधिकारों के वाक्य प्रयोगों में हिस्सा लिया। बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड और बाल अधिकारों के वाक्य प्रयोगों में हिस्सा लिया।

मजदूर दिवस पर सांसद ने दिया आश्वासन संसद में गूंजेगी समस्याएं

कैनविज टाइम्स

मुन्ना: क्षेत्र के मजदूर वर्गों में सामाजिक सम्बन्ध एवं आश्वासन एवं मजदूर दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संसद सीटिंग कुम्हार ने बच्चों की समस्याओं को दूर करने के लिए संसद तक ले जाने की बात कही।



संसद सीटिंग के मजदूर दिवस कार्यक्रम में संसद की समस्याओं को दूर करने के लिए संसद तक ले जाने की बात कही।

उन्होंने संसदीय स्तर पर व्यावसायिक कर एवं करों पर कार्यवाही को जग करी विद्युतक विन्नेद सरोज ने मजदूरों की मुन्नी के लिए प्रयास करने का आश्वासन दिया। संसद के अध्यक्ष राम शर्मा ने मजदूरों को बच्चों की समस्याओं को दूर करने में सहायता देना भी संसद में निर्धारित नहीं है। विन्नेद संसद में होने के साथ ही काम की कोशिश भी नहीं है। मजदूरों की समस्याओं को दूर करने में संसद कार्यवाही की आवश्यकता है।

14 मई को नेत्र चिकित्सा शिविर
सीतापुर: सामाजिक सम्बन्ध सेवा संस्थान ने 14 मई को निम्नलिखित चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया है। यह आयोजन प्रभारी चिकित्सा संबंधित कार्य में है।
को सहायता मिलाने की बात कही। कार्यक्रम, धर्मराज, अमर प्रकाश, संवत्सरिक बच्चों अनुसंधान शिविर ने चिकित्सा सेवा संस्थान पर धन आभार प्रकट किए।

श्री टाइम्स हिन्दुस्तान
बेहतर सोच बेबाक

अधिकार
नया साल हमारा
दिनांक : 8 जनवरी

महिलाओं को संभल देगा ओढ़नी का परचम

बच्चों पर पड़ा मनोरंजन उद्योग का दुष्प्रभाव

शहर प्रतिनिधि
लखनऊ। वर्तमान समय में बच्चों का सही सामग्री नहीं परोसी जा रही है। उनके स्वभाव और आचरण पर मनोरंजन व्यवसाय का बुरा प्रभाव पड़ा है। शिक्षा के माध्यमों में सुधार करने की जरूरत है। उक्त व्यक्तित्व राजधानी के मेयर डा.दिनेश शर्मा ने प्लान इंडिया और संवाद सामाजिक संस्थान की ओर से स्थाल पेशावाइज में आयोजित बाल सम्मेलन में व्यक्त किया।
उन्होंने कहा कि बच्चों में सबसे अधिक नैतिक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। शिक्षा के माध्यमों में तेजी से बदलाव आया है, जिससे उन्हें उचित पाठ्य सामग्री नहीं उपलब्ध हो रही है। शर्मा ने कहा कि उपस्थित बच्चों से कई प्रश्न भी पूछे। उन्होंने बच्चों से पूछा कि सलमान खान कहा का रहने वाला है? उत्तर में बच्चों ने सही जबाब दिया। वहीं जब उन्होंने पूछा कि भगत सिंह और चन्द्रशेखर आजाद कहा के हैं तो बच्चों के पास इसका जवाब किसी बच्चे

के पास नहीं है। सम्मेलन में प्रदेश के विभिन्न शहरों और गावों से लगभग 200 लड़के-लड़कियों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य बाल अधिकारों की वर्तमान दशा के बारे में बच्चों के विचारों को जानना था। मंगलवार को प्रात: 10 बजे से 2 बजे तक बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिता में भागीदारी की। बच्चों ने ग्रीटिंग कार्ड और

संवाद संस्था ने मनाया बाल अधिकार सम्मेलन
वाद-विवाद प्रतियोगिता के द्वारा बाल अधिकारों को वर्तमान दशा पर सवाल उठाए।
इन संधारकों में बच्चों की अपने अधिकारों को सम्पूर्णता में नहीं पाने की चिन्ता स्पष्ट दिखाई देती थी। मुख्य अतिथि डा.दिनेश शर्मा ने बच्चों द्वारा सृजनात्मक तरीके से अपनी आवाज उठाने की सराहना की। सम्मेलन में बच्चों को शुभाशीष देते हुए कहा कि हमारी शिक्षा

प्रणाली में काफी असमामताएं हैं, जिन्हें हमें शीघ्र तुर करनी होगी। नैतिक शिक्षा पर जोर देते हुए उसे शिक्षा में उच्चव्यवस्था विषय बनाने की पेशकश की। प्लान इंडिया उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ प्रबंधक अमित चौधरी ने बाल सम्मेलन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों की आवाज को सुनना चाहिए तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए प्लान इंडिया हर वर्ष बच्चों को प्रोत्साहित करने के इस प्रकार के कार्यक्रम करता रहा है।
केएल गुता ने अभिभावकों से अपने बच्चों को सामूहिक बचाए रखने की अपील की और बच्चों से कहा कि वो अनुकूल परिस्थिति में नहीं पर भी खुद को आगे बढ़ाने का प्रयास करते रहे। सम्मेलन में विभिन्न सृजनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन आशा टाइट में किया गया। समागत समारोह का आयोजन अमित चौधरी और संवाद सामाजिक संस्थान द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के समस्त विजेताओं और सभी बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कार दिये गए।



From the Desk of the President.....



We are happy to share this progress report with all the stakeholders and well wishers of Samvad. Samvad has attempted to impact the quality of government provided education services available to rural and urban poor. They aimed at strengthening the service delivery mechanism of education and ICDS which implies improving primary and upper primary schools through integrated approach.

It also envisaged to understand what prevents government's education and ICDS from maximising their potential. Samvad aims at improving the AWC, primary and upper primary schools through integrated approach so that children from the poorest of the poor households may maximize their growth potential, thereby developing into healthy, socially aware and capable citizens, irrespective of their caste, gender or religion. Helping the disadvantaged children access their rights to Early Childhood Care, Education, Economic security, Protection and participation are the objectives of Samvad Towards this end, we worked in the financial year, 2012-2013.

RTE Act envisages an increased role for the SMCs and local authority at the school level. While principles of equity, inclusion and a non-threatening environment where corporal punishment is prohibited have been laid down, it is challenging to refrain the educational fraternity along these lines. The schools have started becoming increasingly open to the scrutiny of the local community. Inclusion of community members in the SMCs coupled with our efforts to organize Bal Samvad Tolis have brought good results in the direction of making schools open to public view.

We have engaged ourselves with people's land rights and other entitlements, women empowerment and eradication of T.B. and achieved significant results in this direction.

In this Annual Progress Report an attempt has been made to bring out the change that has been achieved in the field of impacting the service delivery systems of ICDS and elementary education as also of various public services. For achieving this aim Samvad carried out a number of activities that have brought out perceptible improvement in the situation related to the two formal systems of ICDS and elementary education in our area of operation, both Rural and Urban.

We thank all the stake-holders, Head Masters, School Management Committee Members, AWWs, Gram Pradhans and members of the community as also the Bal Samvad Toli members who helped us by sharing their valuable experience, views and useful information in preparing this progress report. Whatever has been achieved is due to their sincere support and participation in the project. I thank our supporters **Action Aid and Plan India** for their guidance and our project staff team without whose sincere efforts these results would not have been achieved.

R. B. Shukla
President





Reasons for the Existence of Samvad

(Samvad means Dialogue for Creating Self-reliant & Self-respecting Society)

Samvad Samajik Sansthan stands for a meaningful dialogue beyond debating points-counter points. Establishing vital dialogue and communication with the community, administration and the forces dedicated to the well being of the Dalits and the deprived is an important tool of our methodology of work. Dedication to the community, transparency and accountability are the guiding stars of our work-process. While, working with the community we honour the knowledge and experience and beliefs of the community and crave for their respectful participation in our activities. For us democracy is not a word for lip-service, but a deep value which can be put to practice and felt in the atmosphere created by our work at the grass roots level. Commitment by a strong urge to make various welfare schemes available to those for whom they are meant. As a result of this Samvad was established in 1998. We work towards creating a society based on the foundation of democracy, secularism and equality.

SAMVAD is actively engaged with the Dalits, Muslims and the deprived people especially women and children in the rural areas of Pratapgarh district as also with the urban areas of Lucknow district. Along with livelihood, gender, equality, education, health and social discrimination are our main social concerns. Our developmental activities are related to primary education, primary health and nutrition and our focus is on making primary school, primary health centre, Aganwadi and public distribution system (PDS) responsive to the needs of the target community.

- Vision -** To create an empowered society where no one faces injustice and discrimination all lead a life of peace and dignity.
- Mission -** The mission is a society where the marginalized are able to get their rights, entitlements and a dignified life through sustainable livelihood.
- Policy of accessing -** Mobilizing and organizing the deprived and weaker sections of the society for the governments policies, Acts and schemes so that they attain a higher standard of living.
- Target Community -** Dalit, deprived, vulnerable and Muslims, especially women and children of the communities.

Area of Operation:

- **Rural:** SAMVAD has been executing developmental activities in Pratapgarh district. In Pratapgarh, covering 256 Gram Panchayat of 8 Blocks.
- **Urban:** SAMVAD works in Lucknow District on livelihood, education and healthcare issue of the urban marginalized people.

Our Activities:

In keeping with its vision and mission Samvad engaged itself with the following thrust areas in the year 2012-2013.

1. Child Rights and Right to Education
2. Right to Health Community's Access to ICDS
3. Right to Land and Livelihood
4. Right to Government Entitlements
5. Womens' Rights
6. Water and Sanitation
7. Advocacy Efforts





Child Rights & the Right to Education

1.1 School Chalo Abhiyan :

Having received pre-schooling till the age of 6, it is customary for AWCs to get the children enrolled with the village schools. But due to several reasons like extreme poverty and other exigencies with the families, many a time many children do not get enrolled with the schools. Samvad, therefore, joins the efforts of the school authorities in their campaign of mobilizing the community to send all the children to the schools i.e. those who passed through AWCs pre-schooling care as well as above 6 or those who have become school drop-outs.

In School Chalo Abhiyan Samvad has been helping the campaign by organizing Bal Goshtis through its Bal Samvad Toli and holding street plays and rallies. Children's organization - Bal Samvad Toli exerts peer group pressure and makes it easy for parents to send children to schools.

The year witnessed a spurt of activities on School Management Committees. We held block and district level trainings for School Management Committee members with a view to making SMC members aware of child rights and also apprising them on their roles and responsibilities as members of SMCs.

1.2 Bal Samvad Toli :

Our community organization of young children known as Bal Samvad Toli spearhead the issue of protecting and promoting child rights. We continue to strengthen their organization by providing training on child rights and what role they can play in safeguarding their rights and taking up leadership roles. The training brought home to the children that for exercising their rights like the right to survival, right to development, right to protection and right to participation. It was indeed heartening to note that children of Bal Samvad Toli not only know these rights but also initiate actions to realize their rights, which is illustrated as under -

- Children took keen interest in reaching the school drop outs back to the school by convincing them and their parents.
- At one school they took up the issue of long delay in payment pending scholarships and insisted on improvement in the quality of Mid Day Meal scheme.
- The Bal Samvad Toli children exercise their right to participation by taking part in School Management Committees, organizing games and sports' events and taking part in district and state level events like children's Child Rights' Conference.
- Bal Samvad Toli children took active part in making a quarterly titled "Bal Samvad Patrika" a creative vehicle of their participation in school and society.
- The children themselves organized a week long district level Child Day from 14th Nov to 22nd November in which a number of competitions like 100 meter race and Kabaddi were intertwined with artistic activities such as writings, painting Rangoli, songs and drama.



It goes to the credit of Bal Samvad Tolis efforts that children who had discontinued their studies came back to the school. The efforts of children succeeded on account of the peer-group pressure they built on their alikes supported by Samvad's field workers. During an interview with Shri Sambhunath Vishvakarma, Deputy Headmaster, Upper Primary School Sailwara at the school premises, he recounted the happy anecdote how as many as four children namely Abhishek Patel, Rajkumar, Puja Patel and Jitendra Patel rejoined the school. While Abhishek has been promoted this year to class 8th, both Pooja and Jitendra have passed 8th class. Shri Vishvakarma was highly appreciative of the involvement of Samvad team in improving the atmosphere in the school by assisting them in providing additional teaching support, encouraging children to play games, sports and take part in various other extra curricular activities like painting, debates, writing for Bal Samvad Patrika etc.

The impact of capacity building of Bal Samvad Tolis was recognized by the Pithanpur school head master who related how the united action of Bal Samvad Toli pursued the matter of undue delay in distribution of scholarship to his school's children. From the foregoing we find that children's CBO- Bal Samvad Toli is a potent tool to protect and promote child rights.

1.3 Activation of School Management Committees:

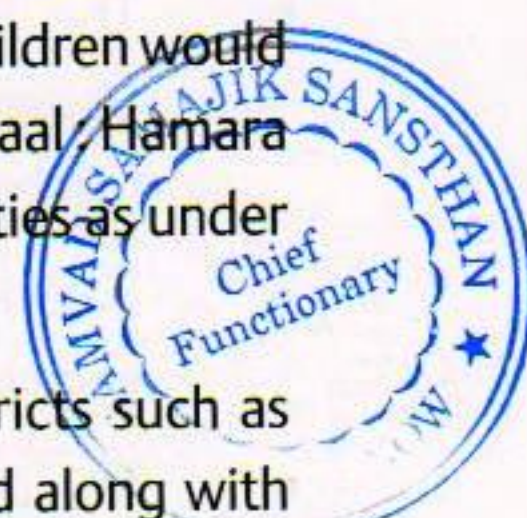
School management committee has a pivotal role in the development of a school. In Uttar Pradesh SMCs were formed in the beginning of 2012. Thus their formation is coincidental with the starting of the project. Samvad seized the opportunity of making them functional from the start itself. Since the concept is new, the members were in need of the necessary knowledge about their role and responsibility towards the management and development of schools in line with the provisions of the Right to Education Act, 2009.

1.4 Bal Adhikar Sammelan:

Child rights can be best promoted by the engagement of those for whom they are meant. While all other rights of children depend on others like their parents, there is a category of child rights which centres around participation, which calls for children's capacity to take part in affairs that concern them. While others should take a lead in inviting them to participate, they too should evince interest and ability to participate.

With a view to enhancing children's capacity to participate, to express their perspective on the status of child rights and above all to emphasize the need for the government to fulfill its promises towards promotion of child rights, the start of the year 2013 was felt to be an appropriate time, when children would present their charter demands to the powers that be. The theme of the conference was Naya Saal, Hamara Sawal (New Year : Our Question). To accomplish the above purpose a day long series of activities as under were carried out as under.

The programme started with a full hall with children. In all 162 children from 6 districts such as Kanpur, Maharajganj, Mirzapur, Ambedkar Nagar, Pratapgarh and Lucknow were registered along with their escorts numbering 32. About 20 distinguished persons representing various other stakeholders were present.



Right to Health Community's Access to ICDS

2.1 Capacity Building of AWW :

Samvad has all along been addressing the issue of promoting and protecting child rights in district Pratapgarh and Lucknow city. In the year that has gone by Samvad undertook a number of activities from the birth of a child demanding its registration to early childhood care and pre schooling calling for capacity building of AWC workers, primary, school education, strengthening school management committees, enabling teachers to implement the basic provisions of the RTE Act and prepare School development Plan. Earlier the community did not care much about the need for compulsory registration of child birth. To emphasize this important function of the Anganwadi and Panchayat, we held two days training for Anganwadi workers for strengthening their capacity on Growth monitoring and included the theme of birth registration, as birth registration is the passport to all child rights in future and is of utmost importance for settling avoidable dispute in society. As a result of training to AWWs, now in our area of operation there is widespread awareness among the community about the importance of getting birth registered. Similarly AWWs are now seized of the importance and urgency of showing the growth chart of children for the purpose of better monitoring of children's health.

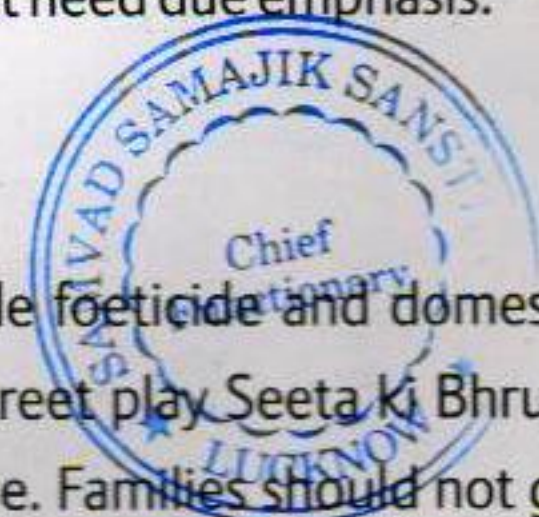
With a view to enabling Anganwari Centres offer an inviting look both to the parents and children in the age group 0-6 years, Samvad has provided a set of play things like sea-saws, gliders and gadgets that make learning alphabets and numerals easy. There is good attendance of children with their parents when "hot cooks" are served to children.

2.2 Our Efforts Against Female Foeticide :

Samvad has succeeded in beautifully intertwining the message of letting the girl child be born and for this it developed a street play entitled "Seeta ki Bhruna Hatya" (Feticide of Sita) to underline the dismal fact that in Pratapgarh district the child sex ratio is 1000 to 915 that is against every 1000 boys, girls are 915 only, which is a serious cause of concern. Among all child rights the most basic is the right to be born and when born, the fact of birth to be registered are the aspects of child rights that need due emphasis.

2.3 Street Plays :

Samvad true to its name conveyed the message of elimination of female foeticide and domestic violence by artistic means of staging street plays in its operational area. The street play Seeta ki Bhruna Hatya was devoted to the point that in our society the sex ratio is highly adverse. Families should not get the sex of the embryo tested prior to birth of child. Both girls and boys are equal in importance and have equal right to life.



Right to Land & Livelihood

3.1 Grameen Mazdoor Sangh Adhiveshan :

On the Labor Day i.e., 1st May 2012 Samvad celebrated the day with a lot of enthusiasm because its Community Based Organization Grameen Mazdoor Sangh celebrated it by holding a Public Hearing. A good number of problems faced by the villagers were presented before the relevant government department officers who were present and provided solutions to their problems. Apart from the senior government officials the main guests of honour were Shri Shailendra Kumar , Member of Parliament and Shri Vinod Saroj, Member of Legislative Assembly.

3.2 Capacity Building Training on Land Rights :

All along the theme of land entitlements has been Samvad's main engagement. To upscale our performance in this thrust area all the staff with members of Grameen Majdoor Sangh were trained in Land Rights. Land Rights have been exclusively in favour of men. Cultural perspectives play a key role in the acceptance of equality within land ownership. Women's owning land ultimately benefits the household and society as a whole. This was the message of the training. Accordingly we spread awareness among the community to shed prejudices against ownership of land in the names of women.

3.3 Post Election Campaign with District Alliances on the issues of Land Rights:

Samvad organized a Meeting of District Alliance in the month of December 2012, Key representatives of various organizations of Pratapgarh took active part in it. The main theme of the meeting was to deliberate on land rights, The participants discussed problems related to land rights.



Right to Government Entitlements

Samvad has been engaging itself with the realization of the rights of the disadvantaged persons to various government provided facilities that generally do not reach them on account of their ignorance, poverty and indifferent attitude of the government officials. Toward groundig their rights through better access to public services.Samvad organized a series of Public Hearing or Jan Sunwai Programmes in respect of the peope of 5 villages of our operational area, namelyJanwamau, Chhachhamau, Madhwapur, Pariyanwa and Murassapur. These programmes held betwen March 4 to 16 were a tremendous success. Difficulties experienced by people in regard to absence of a certain primary school teacher, to use of inferior quality pulses for the Mid Day Meal were raised.Many poor families havenot been issued BPL Cards.

Beneficiaries Status of Various Government Schemes

S. No.	Entitlements	SC		OBC		GEN		Muslim		Man	Women	Total
		M	F	M	F	M	F	M	F			
1	Job Card Received	59	10	41	4	0	0	1	0	101	14	115
2	MNREGA work demand	120	31	104	11	0	0	6	1	230	43	273
3	MNREGA work received	157	45	206	16	24	0	0	3	397	64	461
4	ICDS- Pregnant women facilitated for food supplements	NA	135	NA	162	NA	7	NA	110	NA	414	414
5	ICDS - Lactating women facilitated for food supplement	NA	76	NA	115	NA	6	NA	31	NA	228	228
6	Janani Suraksha Yojna	NA	19	NA	25	NA	1	NA	20	NA	65	65
7	Kishori Shakti Yojna	NA	7	NA	4	NA	1	NA	0	NA	12	12
8	Enrollment in Primary Schools	46	32	16	16	1	2	4	2	67	52	119
9	Total	382	355	367	353	25	17	11	147	795	892	3026



4.1 Block Level (Kalakankar) Public Hearing on Government Entitlements :

On the Human Rights Day, 10th December 2012, we in collaboration with Grameen Mazdoor Sangh a Public Hearing in which 19 cases from 10 villages of our operational area in Kalakankar Block were presented before a panel of Block level officers including ADO, Social Welfare Officers, VDO, Block Pramukh and Principal regional Institute of Rural Development. The cases present covered issues like 1- demand of bribe for allotment of Indira Awas 2- Widow pension not released 3- Extremely poor not being issued BPL Ration Card 4- non-issuance of Disability Pensions 5- old age Pension not being released.

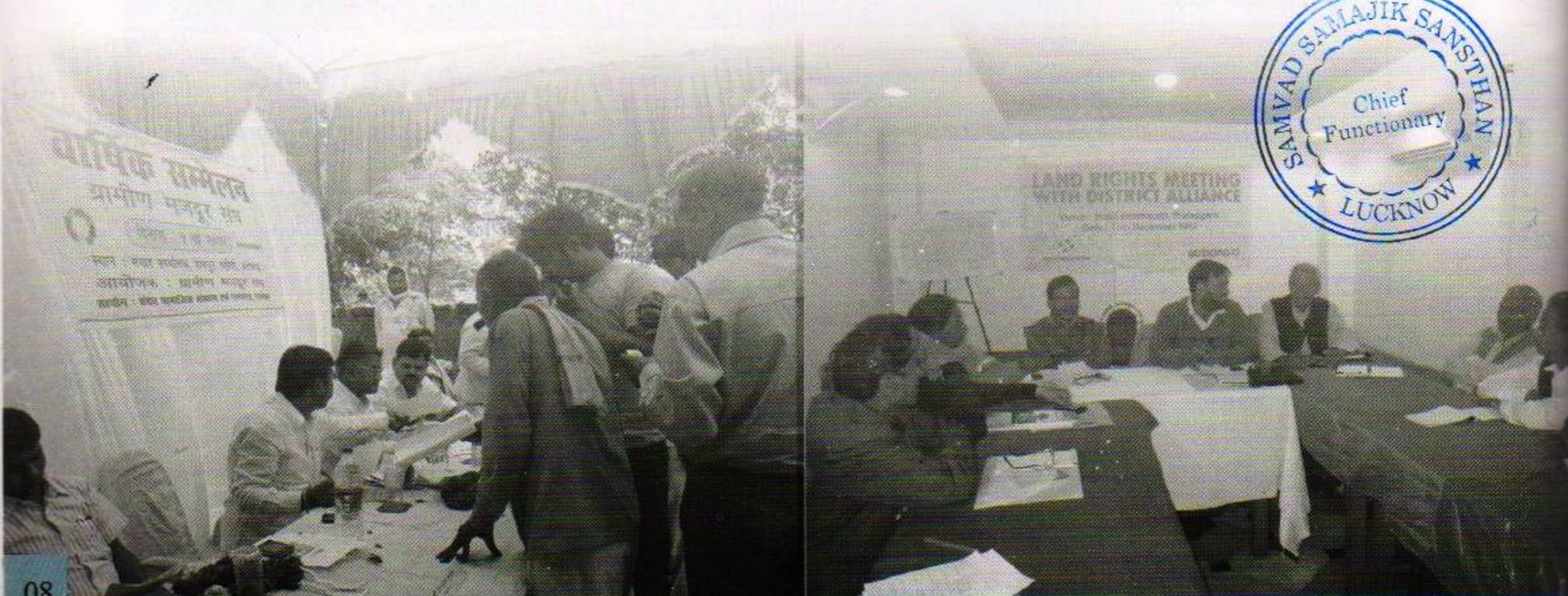
162 persons of 10 villages presented 19 cases that were satisfactorily resolved by the government officials.

4.2 A week-long Village-level Public Hearing :

Many problems surfaced like a village with more than 50 households has no Anganwari, many jobcards to be issued in MNREGA.

4.3 District-level Public Hearing :

On 31st December 2012 a district level Public Hearing was organized. We succeeded in getting the co-operation of the District Magistrate. The Public Hearing presided by the heads of all the relevant departments, witnessed presentation of 6 cases on themes like lack of teachers in schools, want of adequate shelter by villagers despite Indira Awas and other housing schemes.



Women's Rights

5.1 International Womens' Day

On the occasion of International Womens' Day Samvad celebrated International Women's Day on 8th March 2013 with a Samvad organized a public hearing at Pratapgarh office. This public hearing was presided by Block Pramukh Sri Baijnath. Total 179 women participated in this public hearing and shared their views on women rights and domestic violence. Samvad is celebrating this day every year to increase awareness about Gender discrimination, domestic violence, against female foeticide and promote women empowerment. Most of the women actively participated in this hearing and shared views to come up on stage. Kalakankar Block is very backward. It is a challenging task to mainstream the women of Dalit and Muslim families as they are under the spell of oppressive patriarchal system that takes pride in gender discrimination and practice child marriage, and domestic violence as a way of life. But there is an appreciable difference in the thinking of men and women who have been motivated by Samvad staff to be aware of their rights and work towards realizing them.

5.2 Odhani Ka Parcham :

On 15th February, 2013 a unique kind of rally was taken out in Chhachhapur village of Kalakankar Block in which adolescent girls and young women were furling their scarves known as Odhanies to hide the bosoms – making it symbolic that being feminine need not obstruct existence of a woman; she has equal right to get her rights like men and has to assert. It was a seven day long campaign during which there were several meetings of women in Chhachhamau village to emphasize gender equality. Male dominated society found it very crucial and challenging yet welcomed it as they care for the progressive messages.

5.3 Campaign Against Domestic Violence :

On 15th December 2012, Samvad organized a meeting with women labourers, women related their hardships and how they are being discriminated both at home and outside - places of work They were briefed by an expert on woman empowerment how they can find space and freedom both for themselves and their daughters.



Water & Sanitation

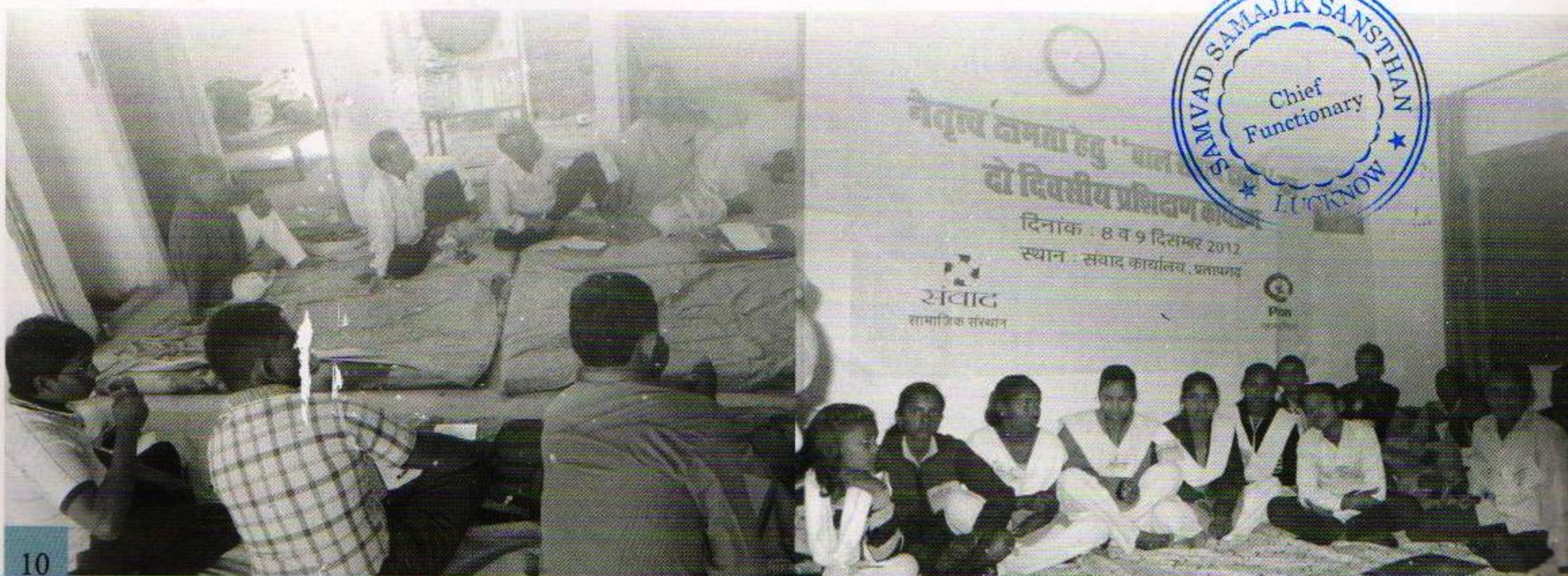
Samvad is alive to the needs of the disadvantaged community about water and sanitation. With the participation of the community Samvad organized a rally on the theme of "Underground Water"

6.1 Bhujal Saptah :

Water is precious for our life and we cannot step forward with one footstep. In July 2012 Samvad organized a week long Ground Water Conservation Campaign during which several gathering of villagers and children were addressed, prizes were distributed to the children who scored 1st, 2nd and 3rd place in Art and Essay competition. Before organizing the program Samvad planned with the team and had the valuable suggestions from the teachers, community members and the school children to ensure child participation and made a strategy to effectively convey the message of conservation of ground water in the community. For this purpose Samvad staged a street play by professionals on the topic of water conservation and child rights. To encourage children towards saving of rain water the team presented a Nukkad Natak. The play started with a song "Pathshala khulwado Maharaj Hamara Jiya Padne Ko Chahe". Another song "Bharat Maa Bharat Maa Hum Hai Bache Tere"

6.2 India marka handpump :

While working with the socially excluded community os 4 Gram Panchayats, namely Sailwara, Bhaddi, Pithanpur and Kandai, we found that the community members did not have adequate access to clean drinking water near their places of habitation. To solve this problem Samvad installed 4 India Marka Handpumps - one each at the above four villages.



Advocacy Efforts :

We have brought several hurdles to the notice of block, district and state level education and health authorities. We had an occasion to apprise the Cabinet Minister for food Shri Raghuraj Pratap Singh on our programme in Pratapgarh district.

We built strong links with the State Level Primary School Teachers Union. As a consequence of this office bearers of the union frequently participate in our activities related to Children's education. Through our advocacy effort we succeeded in getting approval on the training module on "Learn without Fear" for the training of teachers in UP from the Minister of Education UP government.

During a state-level conference on Child Rights the children who assembled to give vent to the hurdles faced by them in realizing their rights prepared artistic greeting cards on themes of their rights and concluded the programme by handing over their charter of demands to the Lucknow City Mayor Dr. Dinesh Sharma.

Achievements:

Samvad's engagement with the community both in Pratapgarh and Daliganj, Lucknow has yielded significant results both in relation to early child care and elementary education.

1. Early Childhood Care & Development:

In rural area of Pratapgarh, Anganwadis have better facilities for young children's play, recreation and learning materials.

- Prior to the implementation of the project immunization services were irregular. Now as a result of the project immunization and vaccination services; timely immunization is administered on weekly basis.
- Earlier, growth charts were not being made and displayed, now growth charts are made and displayed at Anganwadis.
- Earlier, hot cooked was not being served now for last six months hot cooked is being served to children at all Anganwadis.
- Compared to the previous period, now Anganwadis open on time and remain open for the prescribed period. This is significant increase in the number of beneficiaries children, adolescent girls and women.





- Earlier children did not stay at Anganwadi for long. Now they are being taught through fun and play.

2. Elementary Education:

- Earlier school buildings were not being properly maintained, now they are being repaired and well-maintained.
- Earlier School Management Committees were not operative. They existed only for name sake. With the implementation of the project SMCs have been formed in respect of all the schools and 4 monthly meetings take place. SMC members have their own name plates and they enjoy their status with a sense of responsibility.
- Earlier, there were higher number of school dropouts, now with our intervention there is a sizable reduction in their number.
- Bal Samvad Tolis are functional. Numbers of Bal Samvad Toli have been trained to hold their monthly meetings.
- Bal Samvad Toli members take part in monthly School Management Committees. We envisage an important role for Bal Samvad Tolis, they will forward the minutes of their monthly meetings to the parents associations that will deliberate on the problems brought to their notice and decide on the line of action to be taken by SMC members in the SMC meetings.
- 140 children, members of Bal Samvad Tolis, became young change makers for their own cause of being aware and ready to participate in activities related to making school a happy and responsive centre of learning.
- 4 issues of Bal Samvad Patrika, a Children's Quarterly were brought out with contributions from children in the form of short anecdotes, jokes and poems with their active participation is a proud achievement. The quarterly has become a household name and the entire family waits for the next issue. Children find a very good avenue to express themselves and inculcate the urge to write and learn from the contents, mostly about child rights.

3. Public Hearings on Government Entitlements, Labour & Women Rights:

We held village-level Block-level and District-level Public Hearings throughout the year, in which more than 600 persons took active part. In all 60 cases were presented before the relevant government officers and Panchayat authorities. Even the Labour Day- 1st May, 2012 and the International Women's Day- 8th March, 2013 were celebrated by way of organizing Public Hearing giving predominance to the Day-specific themes, like labour and women empowerment on these days respectively.



Our Governing Board

S.N.	Name	Designation	Expertise
1.	Mr. Ram Badan Shukla	Director	The president has vast experience in Panchayati Raj governance, having worked as Gram Pradhan for 30 years and Director of co-operative and a social activist on issues of labour rights and education
2.	Mrs. Madhuri Halwasiya	Vice-President	The Vice-President is an educationist and philanthropist.
3.	Mr. Atul Tiwari	Secretary	The Secretary has vast experience of folk theatre and development communication and is engaged in social service for past 15 years.
4.	Mr. Chandra Bhusan Verma	Treasurer	The Treasurer is a businessman with deep social concern.
5.	Dr. R. P. Singh	Executive Member	The Executive Member is a health expert and retired as Deputy Director Department of Health UP.
6.	Mr. Anis Ahmad	Executive Member	The Executive Member is associated with social services for past 20 years.
7.	Mr. Prashant Mishra	Executive Member	The Executive Member is a businessman and a committed Social Worker.



Our Active Participation with other CSOs

S.No.	Topic	Date	Organized By	Attended By
1.	Declining Sex Ratio and Gender Discrimination	October 2012	Prayatna, Rajasthan	Preeti Srivastava
2.	Role of Police and NGOs under Juvenile Justice Act for Children in Need of Care & Protection	1 March 2013	Ehsaas, Lucknow	Alok Mishra
3.	Bamboo Shoots Training	12 - 14 March 2013	Gram Niyozan Kendra, Maharajganj	Arun Kr. Verma, Adnan Farooqi, Dharmraj Saroj
4.	Sate level consultation on Communal riots in Uttar Pradesh	13 March 2013	Action Aid, Lucknow	Atul Tiwari
5.	Workshop on Women issues and Girl Policy	14 - 15 March 2013	Saajhi Duniya	Kamini, Phoolchandra
6.	"Home Care Support Volunteers"	19 - 21 March 2013	Ehsaas Lucknow	Alok Mishra



SAMVAD SAMAJIK SANSTHAN

459, B Manas Enclave, Indira Nagar, Lucknow

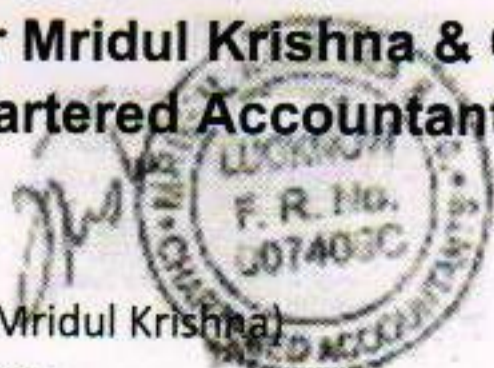
Consolidated Balance Sheet

As at March 31, 2013

Sources of Funds:	Schedule			Amount (Rs.)
Corpus Fund	4			220373.92
Unsecured Loan :	5			22500.00
Total				242873.92
Application of Funds:	Schedule			Amount (Rs.)
Fixed Assets	6			181691.42
Current Assets, Loan & Advances				
Advance for Land			59,500.00	
Cash In Hand			20310.00	
Cash at Bank	3		295037.45	
Tax Refundable			954.00	375,801.45
Less: Current Liabilities				
Sundry Creditors			8000.00	
Audit fees payable			10204.00	
Expense payable			3220.00	
Unutilized Grant	2		286105.95	
TDS Payable			7089.00	314618.95
Net Current Assets				61182.50
Total				242873.92

For Mridul Krishna & Co.
Chartered Accountants

(CA Mridul Krishna)
Partner
Date: 12-09-2013
Place: Lucknow



For Samvad Samajik Sansthan

(Atul Tiwari)
Chief Functionary





SAMVAD SAMAJIK SANSTHAN

459, B Manas Enclave, Indira Nagar, Lucknow

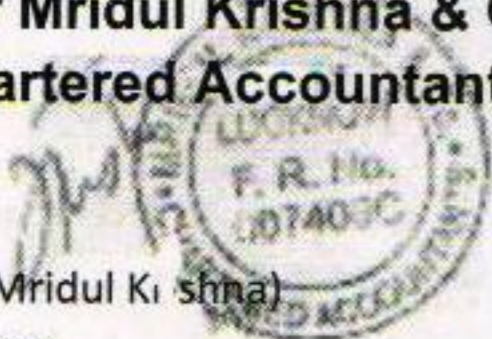
Consolidated Income & Expenditure Account for the year ended March 31, 2013

Income	Schedule		
		Amount (Rs.)	
Grant in Aid:			
Action Aid E0-A80-PFL (IPAP)	2	761100.00	
Plan India	2	2849000.00	
Action Aid-GHM	2	280900.00	
		3891000.00	
Add: Unutilised Grant as on 01.04.2012	2	272541.00	
Less: Refund of grant		24834.00	
Less: Unutilised Grant as on 31.03.2013	2	286105.95	3852601.05
Other Income:			
Other Receipt		20425.00	
Bank Interest		21880.00	
Membership fees		3500.00	45805.00
Excess of Expenditure Over Income			
Total			3,898,406.05

Expenditure	Schedule		
		Amount (Rs.)	
Programme Expenses:			
Action Aid E0-A88-PFL (IPAP)	1	690067.50	
Plan india	1	2626122.00	
Action Aid-GHM	1	422301.55	
General Administrative Expenditure	1	32536.00	3771027.05
Depreciation			83480.00
Excess of Income Over Expenditure			
Total			3,898,406.05

**For Mridul Krishna & Co.
Chartered Accountants**

(CA Mridul Krishna)
Partner
Date: 12-09-2013
Place: Lucknow



For Samvad Samajik Sansthan






(Atul Tiwari)
Chief Functionary

SAMVAD SAMAJIK SANSTHAN

459, B Manas Enclave, Indira Nagar, Lucknow

Consolidated Receipt & Payment Account

for the year ended March 31, 2013

Receipt	Schedule	Amount (Rs.)
Opening Balance:		
Cash in Hand		8696.00
Bank Accounts		<u>320829.50</u>
		329525.50
Grant in Aid:		
Action Aid E0-A80-PFL (IPAP)	2	761100.00
Plan India	2	2849000.00
Action Aid-GHM	2	<u>280900.00</u>
		3891000.00
Other Receipt:		
Tds Deducted		19154.00
Bank Interest		21880.00
Other Income		8900.00
Recd. From debtor		<u>4000.00</u>
		53934.00
Total		4,274,459.50
Payment	Schedule	Amount (Rs.)
Programme Expenses:		
Action Aid E0-A80-PFL (IPAP)	1	690067.50
Plan India	1	2614597.00
Action Aid-GHM	1	<u>422301.55</u>
		3726966.05
Other Payments:-		
TDS deposited		15515.00
salary payable		45067.00
General Administrative Expenditure		25186.00
Purchase of Fixed asset		125044.00
refund of grant		<u>24834.00</u>
		235646.00
Closing Balance:		
Cash in Hand		16810.00
Bank Accounts	3	<u>295037.45</u>
		311847.45
Total		4274459.50
For Mridul Krishna & Co.		For Samvad Samajik Sansthan
Chartered Accountants		
 (CA Mridul Krishna) Partner Date: 12-09-2013 Place: Lucknow		 Chief Functionary  (Atul Tiwari) Chief Functionary



संवाद सामाजिक संस्थान

पंजीकृत पता : 459-बी, मानस इन्क्लेव, इन्दिरा नगर
(निकट इन्दिरा नगर थाना), पोस्ट-सीमेप, लखनऊ (उ.प्र.) पिन-226015

Ph. No: 0522-2719025, mobile : 9415016234,

Email : samvadsansthan@gmail.com